॥ श्रीगुरूचरणकमलेभ्यो नमः ॥

गौड़ीयवैष्णव व्रतोत्सव तिथिपत्रिका 2026-2027

भागवत धर्म समाज

संस्थापकाचार्य : अनन्त श्री विभूषित जगद्गुरु श्रीकृष्णचैतन्य माध्वगौडेश्वराचार्य
श्रीपाद कृष्ण बलराम स्वामीजी महाराज प्रभुपाद

श्री श्री राधागोविन्द मन्दिर, बुर्जा रोड, रमणरेती, वृन्दाबन, मथुरा-281121.

Website : **www.krsna.org**

ज्योतिष की गणनानुसार प्रायः सभी मासिक तिथियों में घटा-बढ़ी होती रहती है जिससे तिथियाँ एक दूसरे से मिश्रित हो जाती हैं इस कारण उपवासों में विद्धा संक्रमण हो जाता है। इस समस्या से बचने के लिये इस जन्त्री को बनाते समय **काशी विश्वविद्यालय** से प्रकाशित **काशीविश्वपञ्चांग** तथा अर्वाचीन व्यास महर्षि द्वारा प्रणीत पुराणों (**हरिभक्तिविलास** सम्मिलित) ग्रन्थों के आधार पर उपवास की तिथियाँ निर्णीत करके इस पत्र में सम्मिलित की गई हैं। अतः वैष्णव सिद्धान्तानुसार व्रत-उपवासों को करने की सही तिथियाँ इस पत्रिका में निर्धारित की गई हैं जिससे यह पत्रिका भगवदानुरागी भक्तों को उनके द्वारा किये गये उपवास तथा तपस्या आदि का पूर्ण रूप से फल प्राप्त कराने में सही सहायक हो यह हमारी हार्दिक अभिलाषा है। इस वर्ष कोई ग्रहण नहीं पड़ेगा इसलिए ग्रहण का सूतक नहीं दर्शाया गया है।

वर्ष 2026

मार्च	19	गुरु	**युगादी (नया सम्बत्),** इस वर्ष का नाम रौद्र है और इस वर्ष का राजा गुरु रहेगा।
मार्च	27	शुक्र	**श्रीराम नवमी व्रतम् सर्वेषाम्**, एकादशी की तरह से ही इस व्रत का उपवास करना होगा तथा दूसरे दिन सुबह इस व्रत का पारण होगा।
मार्च	29	रवि	**कामदा एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्**, दूसरे दिन सुबह व्रत का पारण।
अप्रैल	02	गुरु	**पूर्णिमा**।
अप्रैल	13	सोम	**वरूथिनी एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्**, दूसरे दिन सुबह पारण।
अप्रैल	17	शुक्र	**अमावस्या**।
अप्रैल	20	सोम	**अक्षयतृतीया**, वृन्दाबनस्थ लालपत्थर मन्दिर में भगवान श्रीश्रीराधागोविन्दजी के श्रीविग्रह की अष्टोत्तरशत (108) कलशों से एवं अनेकानेक औषधियों के साथ पञ्चामृत से महाभिषेक तत्पश्चात् भगवान गोविन्दजी के श्रीविग्रह का मलयागिरि चन्दन द्वारा श्रृंगार।
अप्रैल	27	सोम	**मोहिनी एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्**, दूसरे दिन सुबह पारण।
अप्रैल	30	गुरु	**नृसिंहचतुर्दशी व्रतम् सर्वेषाम्**, एकादशी की तरह से ही इस व्रत का पालन, तथा दूसरे दिन पारण। आगम शास्त्र में कहा गया है कि, **वैष्णवैर्न तु कर्तव्या स्मरविद्धा चतुर्दशी**, इस संस्कृत वाक्य का अर्थ यह है कि वैष्णवों को कभी भी त्रयोदशी से मिली हुई चतुर्दशी का उपवास नहीं करना चाहिये। जिस चतुर्दशी के सुबह में सूर्य का उदय हो उसी चतुर्दशी के दिन उपवास रहना चाहिये। यही शास्त्र सम्मत व्रत करने का तरीका है।
मई	01	शुक्र	**वैसाखी पूर्णिमा**।
मई	13	बुध	**अपरा एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्**, दूसरे दिन सुबह 8 बजे से पहिले पारण।
मई	16	शनि	**अमावस्या**।

मई	26	मंगल	**गङ्गा दशहरा** । गङ्गाजन्म दिन ।
मई	27	बुध	**पद्मिनी एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्**, दूसरे दिन सुबह 8:30 तक पारण ।
मई	31	रवि	**पूर्णिमा** ।
जून	11	गुरु	**परमा एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्**, दूसरे दिन पारण ।
जून	15	सोम	**अमावस्या** ।
जून	25	गुरु	**भीमसेनी, निर्जला एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्**, दूसरे दिन पारण ।
जून	29	सोम	**पूर्णिमा** ।
जुलाई	11	शनि	**योगिनी एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्**, दूसरे दिन पारण ।
जुलाई	14	मंगल	**अमावस्या** ।
जुलाई	16	गुरु	**भगवान जगन्नाथजी की रथयात्रा, जगन्नाथ पुरी** । हमारे **श्रीस्वामीजी (श्रीकृष्ण बलराम स्वामीजी) का प्रकट दिन (जन्म दिन)** ।
जुलाई	25	शनि	**हरिशयनी (देवशयनी या पद्मा) एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्**, दूसरे दिन पारण तथा आज से अगले एक महिने तक सभी प्रकार की पत्तियोंवाली सब्जियों का त्याग करना आवश्यक ।
जुलाई	29	बुध	**गुरुपूर्णिमा** ।
अगस्त	09	रवि	**कामिका एकादशी व्रत सर्वेषाम्**, दूसरे दिन सुबह पारण ।
अगस्त	12	बुध	**अमावस्या** ।
अगस्त	15	शनि	**हरियाली तीज** । इस दिन राधारानीजी ने भगवान श्रीकृष्ण के लिए मिठाई बनाई ।
अगस्त	24	सोम	**पुत्रदा एकादशी व्रतम् वैष्णवाणाम्**, दूसरे दिन पारण । **इसदिन से भगवान श्रीश्रीराधागोविन्दजी की झूलनयात्रा होगी जो पूर्णिमा तक चलेगी** । इसदिन के बाद से पत्तोंवाली सब्जी खाना शुरू और दही-छाछ का अगले तीस दिन तक त्याग । दूसरे दिन एकादशी का पारण ।
अगस्त	28	शुक्र	**पूर्णिमा** । भगवान की झूलनयात्रा समाप्त, **रक्षाबन्धन** का मुहुर्त सुबह 9:20 से पहले ।
सितम्बर	04	शुक्र	**श्रीकृष्णजन्माष्टमी व्रतम् सर्वेषाम्**, भगवान श्रीश्रीराधागोविन्दजी का रात 11:30 बजे अभीषेक फिर आरती । दूसरे दिन सुबह श्रील् प्रभुपादजी के शिष्योंको केवल एक चावल खाकर व्रत को तोड़ना होगा ।
सितम्बर	05	शनि	**नन्दोत्सव । श्रील् प्रभुपादजी का प्रकट दिन**, श्रील् प्रभुपादजी के शिष्यों का आधा दिन उपवास फिर उत्सव ।
सितम्बर	07	सोम	**अजा एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्**, दूसरे दिन पारण ।
सितम्बर	11	शुक्र	**अमावस्या** ।
सितम्बर	14	सोम	**गणेश चतुर्थी**, चन्द्र दर्शन निसिद्धम् । शास्त्रों के अनुसार इसदिन रातको चन्द्रमा की ओर नहीं देखना चाहिये ।
सितम्बर	19	शनि	**राधाष्टमी**, आधे दिन का उपवास फिर हलुआ, पूड़ी, सब्जी का भोग तथा उत्सव ।
सितम्बर	22	मंगल	**परिवर्तिनी एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्**, दूसरे दिन पारण, दही-छाछ स्वीकार करना शुरू, अगले तीस दिन तक दूध का त्याग ।
सितम्बर	26	शनि	**पूर्णिमा** ।
अक्टूबर	07	बुध	**इन्दिरा एकादशी व्रतम् वैष्णवाणाम्**, दूसरे दिन पारण ।
अक्टूबर	10	शनि	**अमावस्या** ।
अक्टूबर	20	मंगल	**विजयादशमी**, दशहरा, **श्रीपाद मध्वाचार्य जयन्ती** ।
अक्टूबर	22	गुरु	**पापांकुशा एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्**, दूसरे दिन पारण, दूध पीना शुरू, अगले तीस दिनतक

			सभी प्रकार की दालें खाना, लौकी, बैंगन, काशीफल, काजू, बादाम आदि सभी प्रकार के द्विदल वस्तुओं का त्याग। **कार्तिक नियम सेवा का आरम्भ**। प्रतिदिन आकाशदीपदान एवं दामोदराष्टक, ब्रजराजसुताष्टक का बाद्यों के साथ पाठ।
अक्टूबर	25	रवि	**शारदीय पूर्णिमा दुसरे दिन सुबह 9:40 तक**, भगवान श्रीकृष्ण इसीदिन गोपिकाओं के साथ रासलीला किये थे। चन्द्रमा के साक्षी होने के कारण भगवान का खीरभोग चन्द्रोदय के सामने लगता है।
नवम्बर	01	रवि	**अर्धरात्रि में राधाकुण्ड स्नान**।
नवम्बर	05	गुरु	**रमा एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्**, दूसरे दिन पारण।
नवम्बर	09	सोम	**अमावस्या, दीपावली**, दीप आराधना के पश्चात् लक्ष्मी पूजन। स्कन्द पुराण में लिखा है कि **भूतविद्धा तु अमावस्या न ग्राह्या मुनिपुंगवैः** विद्वान ऋषि-मुनियों ने चतुर्दशी से मिली अमावस्या को स्वीकार करने से मना किया है।
नवम्बर	10	मंगल	**अन्नकूट**।
नवम्बर	13	शुक्र	**कार्तिक शुक्ल चतुर्थी, श्रील् प्रभुपादजी का तिरोभाव** श्रील् प्रभुपादजी के शिष्यों का आधा दिन उपवास तथा श्रील प्रभूपादजी के शिष्यों द्वारा भजन कीर्तन के साथ उत्सव।
नवम्बर	17	मंगल	**गोपाष्टमी, गौपूजा।**
नवम्बर	18	बुध	**अक्षय नवमी**, मथुरा-वृन्दावन परिक्रमा।
नवम्बर	21	शनि	**हरिबोधिनी एकादशी व्रतम् वैष्णवाणाम्**, इसदिन छिलेहुए गन्ने के टुकड़े पर दीप रखकर दीपदान करना है। दूसरे दिन व्रत का पारण। **भीष्म पञ्चक आरम्भ**।
नवम्बर	24	मंगल	**कार्तिकी पूर्णिमा, इसदिन भगवान श्रीचैतन्य महाप्रभुजी वृन्दावन आये थे**। दूसरे दिन कार्तिक नियम सेवा का समापन।
दिसम्बर	04	शुक्र	**उत्पन्ना एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्**, दूसरे दिन पारण।
दिसम्बर	08	मंगल	**अमावस्या**।
दिसम्बर	20	रवि	**मोक्षदा एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्**, दूसरे दिन पारण तथा इसी द्वादशी से अगले तीस दिनतक भगवान का खिचड़ी भोग लगेगा।
दिसम्बर	24	गुरु	**पूर्णिमा**।

वर्ष 2027

जनवरी	03	रवि	**सफला एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्**, दूसरे दिन सुबह पारण।
जनवरी	07	गुरु	**अमावस्या।**
जनवरी	19	मंगल	**पुत्रदा एकादशी व्रतम् वैष्णवाणाम्**, दूसरे दिन व्रत का पारण, खिचड़ी भोग समाप्त।
जनवरी	22	शुक्र	**पूर्णिमा**, अगले तीस दिन तक बेर और मूली का त्याग।
फरवरी	02	मंगल	**षट्तिला एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्**, दूसरे दिन पारण।
फरवरी	06	शनि	**मौनी अमावस्या**।
फरवरी	11	गुरु	**वसन्त पञ्चमी**, सरस्वती जन्म दिन, **श्री श्री राधागोविन्दजी मन्दिर (आन्ध्र प्रदेश) का पाटोत्सव, नम्बूर**।
फरवरी	17	बुध	**जया एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्**, दूसरे दिन एक चावल खाकर पारण।
फरवरी	19	शुक्र	**नित्यानन्द त्रयोदशी**, आधादिन उपवास फिर उत्सव।
फरवरी	20	शनि	**पूर्णिमा**।
मार्च	04	गुरु	**विजया एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्**, दूसरे दिन तक पारण।

मार्च	07	रवि	**शिवचतुर्दशी व्रतम् वैष्णवाणाम्**, एकादशी की तरह से ही इस व्रत को करना चाहिये एवं दूसरे दिन व्रत का पारण करना चाहिये। स्कन्द पुराण के नागरखण्ड में लिखा है कि, **शिवरात्रि व्रते भूतम् कामविद्धाम् विवर्जयेत्**। अर्थात् यदि शिवरात्रि त्रयोदशी तिथी से मिली है तो उसदिन वैष्णवों को उपवास नहीं रखना चाहिये किन्तु अमावस्या से मिली चतुर्दशी तिथी को उपवास के लिये स्वीकार करना चाहिये। पराशर मुनि ने भी यही बात बताई है।
मार्च	08	सोम	**अमावस्या**
मार्च	14	रवि	**श्रीवृन्दावन धाम में भगवान श्रीश्रीराधागोविन्दजी का पाटोत्सव**, इस दिन भगवान श्रीश्रीराधागोविन्दजी अपने श्रीविग्रह रूप से लालपत्थर मन्दिर में प्रकट हुए थे इसलिये शोभायात्रा तथा ब्रजवासियों के साथ भगवान का धूमधाम से उत्सव।
मार्च	19	शुक्र	**आमलकी एकादशी व्रतम् वैष्णवाणाम्**, इसदिन से पूर्णिमा तक श्रीश्रीराधागोविन्दजी का रंगोत्सव होगा। दूसरे दिन शुबह व्रत का पारण।
मार्च	22	सोम	**होली। गौर पूर्णिमा, भगवान श्रीचैतन्य महाप्रभुजी का आविर्भाव दिन**, इसदिन एकादशी की तरह से ही व्रत किया जाता है, शाम को चन्द्रोदय के पश्चात् भगवान श्रीचैतन्य महाप्रभुजी का अभिषेक। दूसरे दिन ही व्रत का पारण होगा। इसदिन भगवान श्री श्रीराधागोविन्दजी का रङ्गोत्सव समाप्त होगा।
अप्रैल	02	शुक्र	**पापमोचिनी एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्**, दूसरे दिन सुबह व्रत का पारण।
अप्रैल	06	मंगल	**अमावस्या।**

॥ श्रीकृष्णार्पणमस्तु ॥

॥ श्रीहरये नमः ॥